>

Title: Need to conduct inquiry into alleged irregularities in the functioning of cantonment Board, Sagar, Madhya Pradesh.

श्री वीरेन्द्र कुमार (सागर) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, हमारे देश के छावनी परिषद वाले स्थानों में काफी लंबी अवधि से छावनी परिषद् के चुनाव नहीं हुए हैं और इस कारण कोई निर्वाचित जन प्रतिनिधि वहां से नहीं हैं जिसके कारण वहां की जनता को काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। वहां जो निर्माण कार्य हो रहे हैं, उनमें भी जन प्रतिनिधियों की मॉनीटरिंग नहीं होने के कारण बहुत अनियमितताएं हो रही हैं। सागर की छावनी परिषद् में विगत डेढ़ वर्ष से कोई छावनी अधिशासी अधिकारी नहीं है। भोपाल के एक अधिकारी को वहां नियुक्त किया गया है जो महीने में एक-दो बार वहां आते हैं। इसके कारण वहां का काम सफर कर रहा है। वहां सिद्धेश्वर मंदिर से कलैक्टर बंगला चौराहे तक 78 लाख रुपये की राशि से डेढ़ किलोमीटर लंबी एक रोड बनाई गई है। अभी चार महीने भी नहीं हुए और वह उखड़ने लगी है। उसमें गड्ढे हो गए हैं। 12-12 लाख रुपये की राशि से चार सार्वजनिक शौचालय छावनी परिषद् ने बनाए हैं। अभी एक साल भी नहीं हुआ और वे इतने क्षतिग्रस्त हो गए हैं कि वहां रहने वाले लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वे वहां रह नहीं पा रहे हैं। अतः आपके माध्यम से मेरा अनुरोध है कि सागर सहित इंदौर, महू और जबलपुर छावनी परिषद् के जब से चुनाव नहीं हुए हैं, उस अवधि में वहां जो भी निर्माण कार्य कराए गए हैं, उनकी जांच कराई जाए और सारे देश में जिन छावनी परिषदों के चुनाव नहीं हुए हैं, वहां शीघ्र चुनाव कराए जाने की व्यवस्था की जाए।